आवश्यक है। सम्मान
भी बेटियों को पढ़ाने वा

हिंदुस्तान 27/05/2024

एक्सचेंज बिल्डिंग के ठीक सामने रोजाना चैंबर से सीवर ओवर फ्लो होता है। गंदा पानी सड़कों पर बहता है। रविवार को भी तीन बार ऐसा हुआ।

जिम्मा

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को प्रदेशभर की जिम्मेदारी सौंपी गई

कीटनाशक का विकल्प बताएगा सीएसए

- विवि के वैज्ञानिकों को दिया जाएगा प्रशिक्षण, विदेशों में जाकर सीखेंगे प्रक्रिया
- किसानों को किया जाएगा जागरूक, बीमारियों से भी बचाया जाएगा

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। प्रदेश में कीटनाशक का उपयोग कम कराने की जिम्मेदारी चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) को दी गई है। जल्द ही विवि के वैज्ञानिकों की टीम किसानों को कीटनाशक का उपयोग कम करने के लिए जागरूक करेगी। उन्हें फसलों को बचाने के लिए कीटनाशक का विकल्प बताएंगे। इसके लिए विवि के वैज्ञानिकों को प्रशिक्षित किए जाने के साथ विदेशों का भ्रमण कराया जाएगा, जहां कीटनाशक का इस्तेमाल नहीं होता है।

सीएसए विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि अधिक उत्पादन और फसलों को सुरक्षित रखने के लिए किसान धड़ल्ले से कीटनाशक का इस्तेमाल कर रहे हैं। जबकि वर्तमान में उपयोग किए ज़ा रहे कीटनाशक का सिर्फ 30 फीसदी हिस्सा ही फसलों के लिए कारगर है। अन्य 70 फीसदी कीटनाशक हवा, पानी या मिट्टी में मिलता है। जो मानव शरीर में पहुंच कर अनेक बीमारियां उत्पन्न कर रहा है। इसको लेकर भारत सरकार के निर्देश पर उद्यम हिन्दुस्तान इंसेक्टिसाइड के विशेषज्ञ कीटनाशक का उपयोग कम करने के लिए अभियान चला रहे हैं। प्रदेश में कीटनाशक का उपयोग कम करने के लिए सीएसए विवि को जिम्मेदारी मिली है, जिसको लेकर कुलपति ने रोडमैप तैयार करना शुरू कर दिया है। डॉ. सिंह ने बताया कि किसानों से पहले वैज्ञानिकों की टीम को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसकी शुरुआत 22 जिलों से की जाएगी।

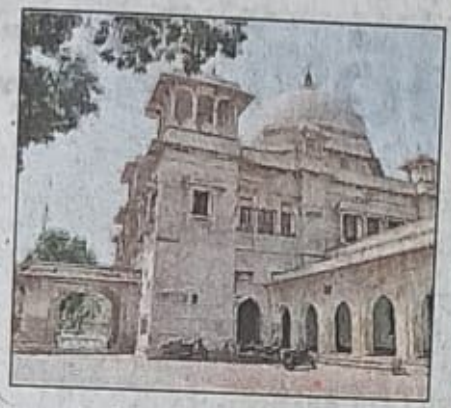

दैनिक
शहर दायरा न्यूज
हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय
https://www.facebook.com/shahardayaranews/
वर्ष 9 अंक: 274 कानपुर, रविवार 26 मई 2024 पृष्ठ: 8 मूल्य-2.00 ₹

पर्यावरण अनुकूल पर कीटनाशकों के प्रयोग पर सीएसए में हुई बैठक

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास की अंतर्राष्ट्रीय परियोजना के संयुक्त कार्यान्वयन के लिए रोडमैप की रूपरेखा तैयार करने पर कृषि विश्वविद्यालय और हिंदुस्तान इंसेक्टिसाइड (इंडिया) लिमिटेड के मध्य एक अहम बैठक आयोजित की गई प्रदेश में इस परियोजना को लागू किया जाएगा इस परियोजना का उद्देश्य किसानों के बीच हानिकारक कीटनाशकों के उपयोग को कम करना और सुरक्षित रसायनों के विकल्पों जैसे जैव कीटनाशकों की ओर बढ़ना है कृषि विश्वविद्यालय कानपुर एवं हिंदुस्तान इंसेंटिसाइड लिमिटेड द्वारा वर्ष 2024-2028 की अवधि के दौरान राज्य के 22 जिलों में इस परियोजना को लागू किया जायेगा बैठक की अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने की। कुलपति ने बताया कि इस परियोजना में जो वैज्ञानिक कार्य करेंगे उन्हें एक्सपोजर विजिट भी कराया जाएगा साथ ही कृषि विश्वविद्यालय एवं हिंदुस्तान इंसेक्टिसाइट लिमिटेड संयुक्त रूप से एक विस्तृत कार्य योजना बनाकर एमओयू किया जाएगा। परियोजना को शीघ्र ही मूर्त रूप दिया जाएगा इस अवसर पर हिंदुस्तान इंसेक्टिसाइड लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कुलदीप सिंह और विपणन निदेशक तथा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ पीके सिंह, निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव एवं डॉक्टर राम बटुक सिंह सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।